Regarding increase in allocation of funds in Budget for Sports in Haryana

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : धन्यवाद सभापति महोदया!

महोदया, आज ओलम्पिक खेलों का छठा दिन है, जैसा कि आप जानते हैं कि देश के लोग टीवी के आगे अपनी आंखें गढ़ाए हुए भारत के प्रदर्शन को देख रहे हैं । अभी तक हमारे तीन मेडल आए हैं । हमें इस बात की खुशी है कि तीन में से दो मेडल हरियाणा के हमारे बच्चे लेकर आए हैं । यह केवल इसी ओलम्पिक्स में नहीं, हमें इस बात का गर्व है कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमेशा भारत की झोली को मेडल से भरने का काम किया है । 21 वीं सदी में अभी तक ओलम्पिक खेलों में 20 इंडिविजुअल मेडल आए हैं, जिसमें से 12 हरियाणा के खिलाड़ियों ने अर्जित किए हैं यानी 50 प्रतिशत से ज्यादा । ओलम्पिक्स, एशियाई और कॉमनवैल्थ खेलों में 40 से 50 प्रतिशत तक मेडल हरियाणा के खिलाड़ी लेकर आ रहे हैं और प्रतिभागियों की संख्या को अगर हम देखें, यानी कंटिजेंट का हिस्सा, तो लगभग एक चौथाई हरियाणा के खिलाड़ी भारत के किसी भी कंटिंजेंट, चाहे इस वर्ष के ओलम्पिक खेलों की बात रही हो । हमें उम्मीद थी कि प्रोत्साहन मिलेगा और पुरस्कार मिलेगा । लेकिन खेलो इंडिया का जो ब्योरा परसों मंत्री जी द्वारा इस सदन में दिया गया है, उसमें यह पाया गया है कि 2200 करोड़ रुपये के कुल व्यय में हरियाणा को केवल 65 करोड़ रुपये यानी तीन प्रतिशत से कम की राशि हरियाणा को दी गयी, जो कि मैं समझता हूं कि किसी भी अनुपात में न्यायसंगत नहीं है । दूसरी ओर गुजरात जैसे प्रदेश को 500 करोड़ रुपये यानी 20 प्रतिशत खेलो इंडिया के तहत दिया गया है । आज तक का पूरे भारत का बजट और 20 प्रतिशत उत्तर प्रदेश को दिया गया है । हमें गुजरात से या उत्तर प्रदेश से कोई द्वेष नहीं है । उन्हें भी मिलना चाहिए, लेकिन इस सरकार की हरियाणा से क्या नाराजगी है, यह समझ से बाहर की बात है । अगर गुजरात और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है तो हाल फिलहाल हरियाणा में भी भाजपा की ही सरकार है, चाहे आने वाले दिनों में जाने वाली हो ।

मेरा सरकार से यह आग्रह है कि हरियाणा के साथ न्याय हो । हरियाणा के खिलाड़ी जब मेडल्स अर्जित करते हैं तो देश का झंडा ऊंचा जाता है, तिरंगा झंडा ऊंचा जाता है । हरियाणा जब भारत माता की झोली में इतने मेडल्स भर रहा है तो हरियाणा के साथ न्याय होना चाहिए और हमें बजट मिलना चाहिए । बजट की तरह खेल बजट में भी आप हरियाणा को भूल गए हैं ।